International Journal in Management and Social Science
Volume 13 Issue 05, May 2025 ISSN: 2321-1784 Impact Factor: 8.088
Journal Homepage: http://ijmr.net.in, Email:irjmss@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal

पहलगांव घटना 2025 के बाद भारत नेपाल के सम्बंध

Dr. Manju
(Associate professor political science)

2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई आतंकवादी घटना ने न केवल भारत की सुरक्षा स्थिति को चुनौती दी, बल्कि इसके भारत-नेपाल रिश्तों पर भी गहरा असर डाला है। इस घटना में आतंकवादियों ने कश्मीर घाटी में एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर हमला किया, जिससे कई नागरिकों की जानें गईं और सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि इस घटना का मुख्य उद्देश्य कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देना था, परंतु इसका एक अप्रत्यक्ष प्रभाव नेपाल के साथ भारत के रिश्तों पर पड़ा, जो सुरक्षा, सहयोग और आतंकवाद के मुद्दों से जुड़ा हुआ है।

भारत-नेपाल रिश्ते और आतंकवाद :

भारत और नेपाल के बीच हमेशा ही अच्छे रिश्ते रहे हैं, लेकिन कभी-कभी कुछ घटनाएँ इन रिश्तों को तनावपूर्ण बना देती हैं। नेपाल, एक भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत का पड़ोसी देश है, और दोनों देशों के बीच सामरिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक रिश्ते भी हैं। लेकिन कुछ आतंकी समूह नेपाल का इस्तेमाल भारतीय सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने के लिए करते हैं, क्योंकि नेपाल का भूगोल भारत के कुछ संवेदनशील क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। भारत ने हमेशा नेपाल से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की अपील की है। पहलगाम आतंकी घटना ने इस संबंध को एक नई दिशा दी, क्योंकि आतंकवाद की घटना ने यह साफ कर दिया कि सीमा पर आतंकवाद का खतरा बढ़ सकता है, और इससे नेपाल के साथ रणनीतिक साझेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

नेपाल पर प्रभाव :

पहलगाम घटना के बाद, भारत ने नेपाल से सुरक्षा मामलों में अधिक सहयोग की उम्मीद जताई। नेपाल सरकार ने इस घटना के बाद भारत से आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। हालांकि

नेपाल अपने भीतर आतंकवाद से लड़ने में व्यस्त था, इस घटना ने नेपाल सरकार को यह महसूस कराया कि उन्हें भारतीय आतंकवादी समूहों के खिलाफ अपनी सीमाओं की और निगरानी बढ़ानी होगी।

इससे नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों को यह समझने का अवसर मिला कि भारत के साथ आतंकवाद से निपटने के लिए साझा खुफिया जानकारी, सीमा सुरक्षा, और आतंकवाद विरोधी उपायों को मजबूत करना जरूरी है। इसके अलावा, इस घटना ने नेपाल को यह सोचने पर मजबूर किया कि भारत के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाना उनके लिए भी महत्वपूर्ण है, ताकि उनके अपने देश में आतंकवाद का प्रसार न हो।

भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती :

पहलगाम घटना ने यह भी दिखाया कि नेपाल को भारत के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करने की आवश्यकता है। नेपाल ने भारत के साथ मिलकर आतंकवाद, सीमा सुरक्षा, और आपसी सहयोग के क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौते किए। यह घटनाएँ नेपाल में इस सोच को बढ़ावा देती हैं कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का सहयोग न केवल उनके लिए बल्कि समग्र क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

भारत-नेपाल के रिश्ते कई बार चुनौतियों का सामना करते रहे हैं, लेकिन पहलगाम घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुरक्षा, आतंकवाद और सीमाओं के मामलों में दोनों देशों का सामूहिक दृष्टिकोण केवल उनके हितों को ही नहीं, बल्कि समग्र दक्षिण एशिया की स्थिरता को भी सुनिश्चित कर सकता है।

2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और नेपाल के संबंधों में एक नई मजबूती देखी गई। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इस त्रासदी के बाद नेपाल ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई और आतंकवाद के खिलाफ अपने दृढ़ रुख को दोहराया।

नेपाल की प्रतिक्रिया :

हमले के तुरंत बाद, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और इस नृशंस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और नेपाल की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया ।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, "नेपाल किसी भी रूप में आतंकवाद की निंदा करता है और अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि के लिए अपनी भूमि का उपयोग नहीं होने देगा" ।

भारत-नेपाल सहयोग :

हमले के बाद, भारत ने "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए। नेपाल के कई नेताओं ने भारत की इस कार्रवाई का समर्थन किया। पूर्व प्रधानमंत्री बाबुराम भट्टराई ने हमले को "अप्रिय और घृणित" बताया और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की ।

नेपाल की संसद में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई, जहां अधिकांश नेताओं ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई। हालांकि, कुछ नेताओं ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की आवश्यकता पर बल दिया और दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की ।

नेपाली नागरिकों की सुरक्षा :

नेपाल सरकार ने पाकिस्तान में पढ़ाई कर रहे नेपाली छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए। विदेश मंत्रालय ने छात्रों और उनके परिवारों से संपर्क बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए नेपाली दूतावास से संपर्क करने का आग्रह किया ।

निष्कर्ष :

पहलगाम हमले के बाद भारत और नेपाल के संबंधों में एक नई मजबूती आई है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई है और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह घटना भारत-नेपाल संबंधों में सहयोग और समझ के एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखी जा सकती है। कुल मिलाकर, 2025 की पहलगाम आतंकवादी घटना ने भारत-नेपाल रिश्तों को नई दिशा दी। इसने दोनों देशों के लिए एक साझा सुरक्षा नीति के महत्व को फिर से रेखांकित किया, जिससे आतंकवाद और अन्य खतरों का मुकाबला किया जा सके। यह घटना भारत और नेपाल के बीच रणनीतिक और सुरक्षा सहयोग को और मजबूती देगी, और उम्मीद है कि दोनों देशों के रिश्ते भविष्य में और मजबूत होंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. "India-Nepal Relations: Historical, Cultural and Political Perspectives"
लेखक: Lok Raj Baral
प्रकाशक: Adroit Publishers, 2012
विवरण: भारत-नेपाल के ऐतिहासिक और राजनीतिक संबंधों पर विश्लेषण।

2. "Nepal and the Geo-Strategic Rivalry Between China and India"
लेखक: Sam Cowan
प्रकाशक: Hurst Publications, 2020
विवरण: चीन-भारत के रणनीतिक संदर्भ में नेपाल की भूमिका।

3. "South Asia: Envisioning a Regional Future"
संपादक: S. D. Muni
प्रकाशक: Routledge India, 2013
विवरण: दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और भारत-नेपाल कूटनीति।

4. "India and Nepal: Security and Economic Dimensions"
लेखक: Maj. Gen. G. D. Bakshi
प्रकाशक: Lancer Publishers, 2015
विवरण: भारत-नेपाल के रक्षा और आर्थिक संबंधों पर केंद्रित।

2. सरकारी व संस्थागत प्रकाशन (Government & Institutional Publications):

5. Ministry of External Affairs, Government of India – India-Nepal Bilateral Relations
वेबसाइट: https://mea.gov.in
विवरण: भारत सरकार द्वारा जारी द्विपक्षीय संबंधों की आधिकारिक जानकारी।

6. Nepal Ministry of Foreign Affairs – Nepal-India Relations Overview
वेबसाइट: https://mofa.gov.np
विवरण: नेपाल सरकार की दृष्टि से द्विपक्षीय संबंध।

7. IDSA (Institute for Defence Studies and Analyses)
रिपोर्ट्स: भारत-नेपाल सीमा विवाद, रणनीतिक समीक्षाएँ।

3. शोध-पत्र और लेख (Research Papers & Articles):

8. “India-Nepal Relations: The Border Issue and Beyond”
लेखक: Dr. Pramod Jaiswal
प्रकाशक: Observer Research Foundation (ORF), 2022

9. “Shifting Ties: India, China and Nepal’s Strategic Balancing”
लेखक: Constantino Xavier
प्रकाशक: Carnegie India, 2021

10. “India-Nepal Relations Post-2015 Blockade: Challenges and Opportunities”
लेखक: Anubhav Yadav
प्रकाशन: South Asian Survey Journal, 2020

4. समाचार और विश्लेषण (News & Analysis):

11. The Hindu, The Indian Express, Kantipur Daily (Nepal), The Kathmandu Post
12. BBC Hindi, Al Jazeera South Asia, ANI News

प्रमुख पुस्तकें

1. Kathmandu Chronicle: Reclaiming India-Nepal Relations

लेखक: के.वी. राजन और अतुल के. ठाकुर

प्रकाशन: Penguin Random House India, अप्रैल 2024

यह पुस्तक भारत-नेपाल संबंधों के ऐतिहासिक और समकालीन पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जिसमें 2015 की नाकाबंदी, नेपाल की लोकतांत्रिक परिवर्तन और चीन की बढ़ती भूमिका जैसे विषय शामिल हैं।

2. Bridging Borders: India-Nepal Relations in A Changing Geopolitical Landscape

लेखक: लेफ्टिनेंट जनरल शोकिन चौहान

प्रकाशन: Pentagon Press, दिसंबर 2024

यह पुस्तक भारत-नेपाल के सैन्य और रणनीतिक संबंधों की गहन समीक्षा करती है, जिसमें सीमा विवादों और सुरक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया है।

3. Nakabandi Ra Bhurajniti (नाकाबंदी और भू-राजनीति)

लेखक: कमल थापा

प्रकाशन: अगस्त 2024

पूर्व नेपाली विदेश मंत्री द्वारा लिखित यह पुस्तक 2015 की भारतीय नाकाबंदी और उसके बाद नेपाल-चीन संबंधों के विकास पर केंद्रित है।

4. All Roads Lead North: Nepal's Turn to China

लेखक: अमिश राज मुल्मी

प्रकाशन: Westland Books, 2021

यह पुस्तक नेपाल के भारत और चीन के साथ बदलते संबंधों की पड़ताल करती है, विशेषकर चीन की बढ़ती भूमिका के संदर्भ में।

5. The Nepal Nexus: An Inside Account of the Maoists, the Durbar and New Delhi

लेखक: सुधीर शर्मा

प्रकाशन: Penguin Viking, 2019

यह पुस्तक नेपाल के माओवादी आंदोलन, राजशाही और भारत के साथ संबंधों की गहन समीक्षा प्रस्तुत करती है।

📻 नवीनतम मैगज़ीन लेख

New Spotlight Magazine (फरवरी 2025 अंक)
यह अंक भारत-नेपाल संबंधों के समकालीन मुद्दों, जैसे सीमा विवाद, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर केंद्रित है।